प्रशिक्षण दर्पण

त्रैमासिक पत्रिका

क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, मध्य रेल, भुसावल - 425203

अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता आय.एस.ओ. 9001:2000 प्रमाणित प्रथम क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान

वर्ष - प्रथम | अंक- चतुर्थ | अप्रैल - जून 2007

फोन - 02582-222678/224600 • फैक्स -02582- 222678 • रेलवे - 54900/54918/54920 • फैक्स -54907/54910

❖ डीजल संकाय एक नजर में ❖

डीजल संकाय का संगठन	
संकाय अधिकारी	01
मुख्य प्रशिक्षक	01
प्रशिक्षक	10

बॉयें से दायें (क्रमश):-

प्रथम पंक्ति- श्री.वी.पी.लासुरे/व.लो.प्र., श्री.फ़ारुक देशपांडे/व.लो.प्र.,श्री.एच.डी.सावडे/स.मं.यां.अ.,मनिष गर्ग/मु.लो.प्र.,श्री.एस.के.शर्मा/व.लो.प्र.

द्वितीय पंक्ति :-

श्री.कमलेशकुमार/मु.प्र.(C&W),श्री.अक्षयकुमार/व.लो.प्र.,श्री.डी.के.सोनी/व.लो.प्र.,श्री.एन.गुलाटी/व.लो.प्र.,श्री.जे.के.सिंह/व.लो.प्र.,श्री.एम.डी.शर्मा/व.ले.प्र.,श्री.एस.के.श्रीवास्तव/व.लो.प्र.,श्री.वी.एस.अंबेश/लो.प्र.

संकाय की उपलब्धियॉ

1. WDG4 एवं WDP4 लोकोमोटिव का प्रशिक्षण केवल हुबली (दक्षिणमध्य रेल) में ही आयोजित किया जाता था। उक्त लोको के प्रशिक्षण का कार्य मुख्यालय के सुझाव पर संस्थान में ही प्रारंभ किया गया, जिसका परिचालन मध्य रेल पर भी अधिक है।
2. WDG4 एवं WDP4 लोकोमोटिव एवं माइक्रोप्रोसेसर आधारित लोकोमोटिव को सभी पाठ्यक्रमों में शामिल किया गया।
3. संरक्षित रेल परिचालन के लिए लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट के लिए प्रत्येक पुन:श्चर्या कोर्स के साथ आयोजन संकाय द्वारा किया जाता है।
4. प्रशिक्षण को सरल एवं आधुनिक बनाने हेतू विभिन्न लोकों की फिल्में तैयार की गई एवं सभी पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण देने के लिए फिल्में, एल.सी.डी. तथा सेल्फ लर्निंग सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है ।
5. डीजल प्रतिमान कक्ष को आधुनिक बनाने हेतू क्लोज सर्किट कैमरों द्वारा सुसज्जित किया गया है, जिससे दोष निवारण करते समय, प्रशिक्षार्थियों की गतिविधियों को आसानी से देखा जा सके तथा इसमें लगनेवाले समय को कम करने हेतु उचित मार्गदर्शन दिया जा सके।
6. विभिन्न मंडलो की मॉग पर अतिरिक्त पाठ्यक्रमों का संचालन किया गया, जिससे ज्यादा से ज्यादा प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षित हुए।
7. डीजल संकाय की भविष्य की योजनाएं - कार्यरत डीजल प्रतिमान कक्ष को अपग्रेड करना, WDG4 एवं WDP4 लोको की लोको पायलट व सहायक लोको पायलट के लिये पाठ्य - पुस्तिका उपलब्ध कराना, विभिन्न लोको को ट्रबल शूटिंग हैंड बुक बनाना इत्यादि ।
8. पदोन्नति तथा पुन:श्चर्या पाठ्यक्रमों में डीजल सिमुलेटर प्रशिक्षण सम्मिलित किया गया है।

❖ अतिथि व्याख्यान

1. श्री डी.जी.जोशी, सहा.मंडल वित्त प्रबंधक, पुणे दिनांक 28.4.2007 को अतिथि व्याख्याता के रूप में आये एवं सामान्य व्यय विषय पर प्रभावी व्याख्यान दिया।
2. श्री आर.सी.देशपांडे, ए.डबल्यू.ए.ओ., परेल ने दिनांक 05.05.2007 को संस्थान में अतिथि व्याख्याता के रूप में आकर अपने व्याख्यान दिये ।
3. श्री एन.एस.काझी, सहा. कार्मिक अधिकारी, भुसावल ने दिनांक 21.5.2007 एवं 25.5.2007 को प्री. एल.जी.एस. (ए.पी.ओ.) पाठ्यक्रम में अनुशासन एवं अपील नियम पर बहुमूल्य व्याख्यान दिया।
4. श्री पी.सी.पुन्डे, सहा. कार्मिक अधिकारी (आर.), मुंबई ने दिनांक 22.5.2007 को एच.ओ.ई.आर. विषय पर व्याख्यान दिये।
5. श्री दिनेश चन्द्र यादव, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, भुसावल ने दिनांक 23.5.2007 को संस्थान में आये तथा राजभाषा नीति एवं नियमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी ।
6. श्री डी.वी.देवधरे, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, मुंबई ने दिनांक 23.5.2007 को चयन विषय पर व्याख्यान दिया जो सभी प्रशिक्षार्थियों के लिए लाभप्रद रहा ।
7. श्री डी.के.वाघमारे, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, मुंबई ने दिनांक 24.5.2007 को संस्थापन के रोस्टर विषय पर व्याख्यान दिया ।
8. श्री एस.के.शर्मा, सहा.कार्मिक अधिकारी, भुसावल ने दिनांक 25.5.2007 को प्री. एल.जी.एस. (संस्थापन) कक्षा में प्रशिक्षार्थियों की समस्याओं का निराकरण किया ।

❖ नवीन प्रविधियाँ

नवनिर्मित संगणक कक्ष का शुभारंभ दिनांक 14.5.2007 को माननीय प्राचार्य महोदय के कर कमलों द्वारा किया गया। इस कक्ष में कुल 14 संगणक उपलब्ध कराये गये हैं । इस कक्ष की विशेषता यह है कि इसमें डिजीटल क्लास नामक उपकरण एवं एल सी डी प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रशिक्षार्थियों को पढ़ाया जाता है। इस कार्य में श्री. एस.के.माली, प्रवर सिमुलेटर प्रशिक्षक का सराहनीय योगदान रहा।

❖ अन्य गतिविधियाँ

1. **रेल सप्ताह** - दिनांक 10 अप्रैल 2007 से 16 अप्रैल 2007 तक संस्थान में रेल सप्ताह का आयोान किया गया, ासिमें विभिन्न गतिविधियाँ सम्पन्न हुई । दिनांक 10.4.2007 को संपन्न संस्थापन विषय पर प्रश्नमंच का विशेष आकर्षण रहा । इस प्रश्न मंच को रोचक बनाने में श्री एस.टी.बाविस्कर (सहा.कार्मिक अधिकारी) एवं श्री पी.एस.कलाल (कार्मिक निरिक्षक) का महत्वपूर्ण योगदान रहा । इसी कड़ी में इंजिनियरिंग संकाय द्वारा दिनांक 11.4.2007 को सेफ्टी सेमिनार का सफल आयोजन श्री एस.के.शेवरा (सहा.मंडल इंजिनियर) के निर्देशन में किया गया ।

दिनांक 12.4.2007 को यातायात संकाय द्वारा गाड़ियों के असामान्य संचालन को एक संरक्षा नाटिका द्वारा सजीव प्रदर्शित किया जिसमें प्रवर यातायात प्रशिक्षक श्री शेख शकील, श्री रमण ठाकुर, श्री बृजेश श्रीवास्तव तथा श्री विवेक कुमार ने अहम् भूमिका निभाई। दिनांक 13.4.2007 को ए.सी. एवं डीजल संकाय द्वारा संयुक्त रूप से लोको प्रश्नमंच का आयोजन किया जिसे सफल बनाने में श्री नरेश गुलाटी एवं श्री संजीव कुमार प्रवर लोको प्रशिक्षक का महत्वपूर्ण योगदान रहा । जिसमें लोको संकाय के सभी प्रशिक्षार्थियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया ।

रेल सप्ताह समापन पर दिनांक 16.4.2007 को गत वर्ष 2006-2007 में उल्लेखनीय कार्यों के लिए कर्मचारियों को प्रमाण पत्र एवं नकद पुरस्कार देकर प्राचार्य महोदय द्वारा सम्मानित किया गया । भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के जन्म दिवस दिनांक 14 अप्रैल के अवसर पर प्राचार्य महोदय एवं अधिकारियों द्वारा उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया। साथ ही एक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी वाणिज्य संकाय द्वारा प्रस्तुत किया गया ।

2. दिनांक 21.5.2007 को भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गाँधी की पुण्य तिथि के अवसर पर आतंकवाद विरोध दिवस के रूप में सभी प्रशिक्षार्थियों, कर्मचारियों, प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों को संस्थान के प्रांगण में आतंकवाद विरोध की शपथ दिलाई गई ।

खेलकूद - प्रशिक्षार्थियों को खेलकूद की बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने में संस्थान निरंतर प्रयत्नशील है।

इसी कड़ी में संस्थान के प्रांगण में नव निर्मित बास्केटबाल ग्राउंड का उद्घाटन प्राचार्य श्री बृजेंद्र कुमार ने बास्केट की तरफ बाल को फेंककर किया। इस अवसर पर उपप्राचार्य श्री एम.के.अग्रवाल, खेलकूद अधिकारी श्री विजय जी. नायर तथा सभी अधिकारी, प्रशिक्षक, इंस्टिट्यूट के सचिव श्री वी.एन.पंडीदर तथा खेल सचिव श्री ए.के.झा एवं प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहे ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम - अंतर संकाय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिनांक 16.4.2007 को वाणिज्य विभाग द्वारा तथा दिनांक 25.5.2007 को संयुक्त रूप से भंडार / लेखा / प्रबंध / संस्थापन संकाय द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें प्रशिक्षार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया

❖ ३ फ़ेज डीजल लोकोमोटिव का परिचय एवं विशेषताए

एच.डी.सावड़े (ए.डी.एम.ई.)

यह लोकोमोटिव जनरल मोटर्स, अमेरिका द्वारा निर्मित है एवं भारतीय रेल मे सन 1999 से चलाया जा रहा है। इस लोको का मॉडल नम्बर GT46MAC है। इस लोको पर टर्बोचार्जड, 16 सिलिन्डर का 2 स्ट्रोक इंजन लगा है। यह इंजन मेन जनरेटर को चलाता है। एवं मेन जनरेटर द्वारा मेकेनिकल पॉवर को इलेक्ट्रिकल पॉवर मे परिवर्तित किया जाता है।

यह मेन जनरेटर, ऑल्टरनेटिंग करेन्ट पैदा करता है। जनरेटर मे ही लगे रेक्टिफ़ायर द्वारा ए.सी. को डी.सी. मे परिवर्तित किया जाता है। मेन जनरेटर से निकलने वाले आऊटपुट को डी.सी.लिंक वोल्टेज कहते है। यह वोल्टेज प्रथम नॉच पर 600 वोल्ट डी.सी. से 8वें नॉच पर 2600 वोल्ट डी.सी. के बीच नॉच पोजिशन के अनुसार बदलता रहता है। इसे ट्रैक्शन इन्वर्टर को भेजा जाता है।

इन्वर्टर डी.सी. पॉवर को पुन: ए.सी. पॉवर मे परिवर्तित करता है। एक ट्रक पर लगे 3 ट्रैक्शन मोटर के लिये एक इन्वर्टर लगाया गया है। इस प्रकार इन्वर्टर की संख्या कुल 02 है। (TCC1 एवं TCC2) TCC द्वारा डी.सी. लिंक क़ो परिवर्तित वोल्टेज, परिवर्तित फ़्रीक्वेंसी, 03 फ़ेज ए.सी. पॉवर, इन्डक्शन ट्रैक्शन मोटर को भेजी जाती है।

प्रत्येक TCC को अलग-अलग कम्प्यूटर द्वारा नियंत्रित किया जाता है और इन दोनो कम्प्यूटर को प्रायमरी कम्प्यूटर EM-2000 के द्वारा मॉनिटर एवं नियंत्रित किया जाता है। EM-2000 का डिस्प्ले पैनल पायलट कैब के इलेक्ट्रिकल लॉकर में लगाया गया है, और इसके द्वारा ऑपरेटिंग कन्डिशन्स, सिस्टम की खराबियॉ एवं ट्रबल शूटिंग से सम्बन्धित सूचनाएं दर्शायी जाती है ।

अन्डर ट्रक में H.T.S.C. प्रकार की दो बोगियॉ लगी है। जिन्हे फ़्रन्ट ट्रक एवं रियर ट्रक कहते है । अन्डरट्रक के प्रत्येक एक्सल में एक थ्री फ़ेज इन्डक्शन ट्रैक्शन मोटर लगी है । मोटर द्वारा एक्सल पर लगे पिनियन की सहायता से लोकोमोटिव के चक्कों को घुमाता है, इसका गियर रेशियों 17 : 90 है ।

इस लोको पर कम्प्यूटर कन्ट्रोल एर ब्रेक सिस्टम लगाया गया है। लोको पायलट कॅब कन्ट्रोल युनिट की सहायता से CCB सिस्टम को नियंत्रित करता है।

CCB सिस्टम के अधिकांश न्यूमेटीक उपकरण, न्यूमेटीक कन्ट्रोल युनिट में लगे है। यह PCU फ़्रंट हेडलाईट के निचे एवं दोन क्लासीफ़िकेशन लाईट के बीच में लगा है। CCB एअर ब्रेक कम्प्यूटर द्वारा PCU की सहायता से इलैक्ट्रीक एवं न्यूमेटीक उपकरणो को नियंत्रित किया जाता है।

इस लोकोमोटिव की विशेषताएं :

हॉर्स-पॉवर	-	4000 H.P.
ट्रैक्टिव एफ़र्ट	-	55.2 टन
एडहेशन	-	43 %
मिनी कन्टीन्यूअस स्पीड	-	22.5 कि.मी.प्र.घं.
मिनी कर्व निगोशियेशेटिंग क्षमता	-	10 अंश
वजन	-	128.5 टन
ऊँचाई	-	4.22 मीटर
चौड़ाई	-	3.07 मीटर
लम्बाई	-	21.24 मीटर
इंजन स्पीड(क)फ़ुल स्पीड	-	904 आर.पी.एम.
(ख) आईडल	-	269 आर.पी.एम.
(ग) ले-आईडल	-	200 आर.पी.एम.
अधिकतम ट्रैक्शन ऑल्टरनेटर आऊटपुट	-	2600 वोल्ट DC
अधिकतम लगातार करन्ट	-	1250 एम्पीअर
एयर ब्रैक कन्ट्रोल सिस्टम	-	KNORR (CCB)
बैट्री कैपेसिटी	-	500 एम्पीयर अवर
अधिकतम लोको स्पीड	-	100 कि.मी.प्र.घं.

❖ अतिथियों का आगमन

श्री एस.के.शर्मा, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, मध्य रेल दिनांक 26.5.2007 को संस्थान में पधारे । उन्होंने संस्थान के सभी प्रशिक्षार्थियों को सतर्कता विभाग एवं उसके कार्य कलापों से परिचित कराया तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के संगठन की जानकारी दी । उन्होंने सभी संकाय के प्रशिक्षार्थियों को अपने दैनिक कार्यकलाप ईमानदारी एवं निष्ठापूर्वक करने के लिए प्रेरित किया । उनके साथ आये श्री टी.विल्सन कोशी, ए.ई.ओ. सतर्कता ने रेल सेवा आचरण नियम पर अपना प्रभावी व्याख्यान दिया तथा विभिन्न नियमों के अनुपालन पर जोर डाला ।

श्री प्रफुल्ल चंद्रा वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजिनियर (टी.आर.ओ) दिनांक 11 जून 2007 को संस्थान में आये। उन्होंने संस्थान के ए.सी. सिमुलेटर का अवलोकन किया तथा लोको पायलट की कक्षाओं में जाकर उनका मार्गदर्शन भी किया । इसी मौके पर उन्होंने 3 फेज लोको की प्रशिक्षण अवधि बढ़ाने का सुझाव भी दिया ।

❖ स्वागत / बधाई / विदाई

- श्री ज्वाला प्रसाद, श्री जे.डी.वाणी, तथा श्री जे.एन.गुप्ता प्रवर यातायात प्रशिक्षक तथा श्री कमलेश कुमार प्रवर प्रशिक्षक (सी एण्ड डबल्यू) के चयन व आगमन पर उन्हें बधाई दी गई ।

- श्री धनंजय सिंह मुख्य लोको प्रशिक्षक (ए.सी.) तथा श्री एस.के.साह मुख्य प्रशिक्षक (सी एण्ड डबल्यू) संस्थान में अपना कार्यकाल पूरा कर मंडल को वापस गये जिन्हें बिदाई दी गई ।

- श्री बी.आर. पाटील एवं श्री एस.जी.राव प्रवर वाणिज्य प्रशिक्षक के वाणिज्य प्रशिक्षु पद पर चयन होने पर हार्दिक बधाई ।

-
श्री अरूण कुमार सिंह प्रवर यातायात प्रशिक्षक को वर्ष 2006-2007 के **महाप्रबंधक पुरस्कार** से सम्मानित किया गया । उन्हें रेल सप्ताह के अवसर पर महाप्रबंधक पदक, नकद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। संस्थान द्वारा उन्हें हार्दिक बधाई ।

- **विजय काशीनाथ मोरे** को रेल मंत्री हिन्दी निबंध प्रतियोगिता में आधुनिकीकरण - भारतीय रेल के बदलते आयाम इस विषय पर लिखनेपर प्रथम स्थान मिला। रेल सप्ताह पुरस्कार वितरण के अवसर पर दिनांक 16 अप्रैल 2007 को हैदराबाद में संपन्न कार्यक्रम में **रेल राज्य मंत्री श्री नारणभाई राठवा** के हाथों 5000 रूपये का धनादेश तथा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

- श्री वी एन. पंडीदर प्रवर यातायात प्रशिक्षक, श्री एस.के.माली प्रवर सिमुलेटर प्रशिक्षक एवं श्री दिनकर पाटील हवालदार को मुख्य परिचालन प्रबंधक पुरस्कार 2006-07 से सम्मानित किया गया । इस उपलब्धि के लिये संस्थान द्वारा हार्दिक अभिनंदन ।

❖ सम्पादकीय

संस्थान द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक समाचार पत्रिका का चतुर्थ अंक का संपादकीय लिखते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है । प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी एवं नवीन प्रविधियों के साथ साथ अन्य गतिविधियों का प्रसार भारतीय रेल पर करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण दर्पण का प्रकाशन एक सराहनीय कदम है। मै आशा करता हूँ कि यह पत्रिका कई चुनौतियों के बावजूद प्रशिक्षार्थियों एवं क्षेत्रीय रेलों के बीच समन्वय स्थापित करने के साथ साथ उनके मार्गदर्शन एवं ज्ञान को ताजा रखने हेतु सार्थक सिद्ध होगी ।

इस अंक में महत्वपूर्ण संकाय डीजल की उपलब्धियाँ एवं जानकारी दी जा रही है इसके साथ साथ मैं प्रशिक्षण दर्पण के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ ।

बृजेन्द्र कुमार
प्राचार्य
क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, भुसावल

संपादक मंडल

संरक्षक	:	**श्री रविन्द्र नाथ वर्मा,** मुख्य परिचालन प्रबंधक
मार्गदर्शन	:	**श्री मुकुल मारवाह,** मुख्य परिवहन योजना प्रबंधक
मुख्य संपादक	:	**श्री बृजेन्द्र कुमार,** प्राचार्य
उप संपादक	:	**श्री एम.के. अग्रवाल,** उप प्राचार्य
सह संपादक	:	**श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा,** सहा. परिचालन प्रबंधक **श्री महेश कुमार,** सहा. मंडल विद्युत अभियंता
संकलन	:	**श्री विजय मोरे,** वरि.यातायात प्रशिक्षक **श्री अरूण कुमार सिंह,** वरि.यातायात प्रशिक्षक
ग्राफिक्स/सज्जा	:	**श्री शशिकांत के. माली,** वरि. सिमुलेटर प्रशिक्षक

द्वारा मुद्रित : भा. ज. वनमाली, उप मुख्य प्रबंधक, मुद्रण व लेखन सामग्री, मध्य रेल मुद्रणालय, मुंबई - २७.

❖ अतिथियों का आगमन

श्री एस.के.शर्मा, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, मध्य रेल दिनांक 26.5.2007 को संस्थान में पधारे । उन्होंने संस्थान के सभी प्रशिक्षार्थियों को सतर्कता विभाग एवं उसके कार्य कलापों से परिचित कराया तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के संगठन की जानकारी दी । उन्होंने सभी संकाय के प्रशिक्षार्थियों को अपने दैनिक कार्यकलाप ईमानदारी एवं निष्ठापूर्वक करने के लिए प्रेरित किया । उनके साथ आये श्री टी.विल्सन कोशी, ए.ई.ओ. सतर्कता ने रेल सेवा आचरण नियम पर अपना प्रभावी व्याख्यान दिया तथा विभिन्न नियमों के अनुपालन पर जोर डाला ।

श्री प्रफुल्ल चंद्रा वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजिनियर (टी.आर.ओ) दिनांक 11 जून 2007 को संस्थान में आये। उन्होंने संस्थान के ए.सी. सिमुलेटर का अवलोकन किया तथा लोको पायलट की कक्षाओं में जाकर उनका मार्गदर्शन भी किया । इसी मौके पर उन्होंने 3 फेज लोको की प्रशिक्षण अवधि बढ़ाने का सुझाव भी दिया ।

❖ स्वागत / बधाई / विदाई

- श्री ज्वाला प्रसाद, श्री जे.डी.वाणी, तथा श्री जे.एन.गुप्ता प्रवर यातायात प्रशिक्षक तथा श्री कमलेश कुमार प्रवर प्रशिक्षक (सी एण्ड डबल्यू) के चयन व आगमन पर उन्हें बधाई दी गई ।

- श्री धनंजय सिंह मुख्य लोको प्रशिक्षक (ए.सी.) तथा श्री एस.के.साह मुख्य प्रशिक्षक (सी एण्ड डबल्यू) संस्थान में अपना कार्यकाल पूरा कर मंडल को वापस गये जिन्हें बिदाई दी गई ।

- श्री बी.आर. पाटील एवं श्री एस.जी.राव प्रवर वाणिज्य प्रशिक्षक के वाणिज्य प्रशिक्षु पद पर चयन होने पर हार्दिक बधाई ।

- **श्री अरूण कुमार सिंह प्रवर यातायात प्रशिक्षक** को वर्ष 2006-2007 के **महाप्रबंधक पुरस्कार** से सम्मानित किया गया । उन्हें रेल सप्ताह के अवसर पर महाप्रबंधक पदक, नकद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। संस्थान द्वारा उन्हें हार्दिक बधाई ।

- **विजय काशीनाथ मोरे** को रेल मंत्री हिन्दी निबंध प्रतियोगिता में आधुनिकीकरण - भारतीय रेल के बदलते आयाम इस विषय पर लिखनेपर प्रथम स्थान मिला। रेल सप्ताह पुरस्कार वितरण के अवसर पर दिनांक 16 अप्रैल 2007 को हैदराबाद में संपन्न कार्यक्रम में **रेल राज्य मंत्री श्री नारणभाई राठवा** के हाथों 5000 रूपये का धनादेश तथा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

- श्री वी एन. पंडीदर प्रवर यातायात प्रशिक्षक, श्री एस.के.माली प्रवर सिमुलेटर प्रशिक्षक एवं श्री दिनकर पाटील हवालदार को मुख्य परिचालन प्रबंधक पुरस्कार 2006-07 से सम्मानित किया गया । इस उपलब्धि के लिये संस्थान द्वारा हार्दिक अभिनंदन ।

❖ सम्पादकीय

संस्थान द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक समाचार पत्रिका का चतुर्थ अंक का संपादकीय लिखते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है । प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी एवं नवीन प्रविधियों के साथ साथ अन्य गतिविधियों का प्रसार भारतीय रेल पर करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण दर्पण का प्रकाशन एक सराहनीय कदम है। मै आशा करता हूँ कि यह पत्रिका कई चुनौतियों के बावजूद प्रशिक्षार्थियों एवं क्षेत्रीय रेलों के बीच समन्वय स्थापित करने के साथ साथ उनके मार्गदर्शन एवं ज्ञान को ताजा रखने हेतु सार्थक सिद्ध होगी ।

इस अंक में महत्वपूर्ण संकाय डीजल की उपलब्धियाँ एवं जानकारी दी जा रही है इसके साथ साथ मैं प्रशिक्षण दर्पण के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ ।

बृजेन्द्र कुमार
प्राचार्य
क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान,भुसावल

संपादक मंडल

संरक्षक	:	**श्री रविन्द्र नाथ वर्मा,** मुख्य परिचालन प्रबंधक
मार्गदर्शन	:	**श्री मुकुल मारवाह,** मुख्य परिवहन योजना प्रबंधक
मुख्य संपादक	:	**श्री बृजेन्द्र कुमार,** प्राचार्य
उप संपादक	:	**श्री एम.के. अग्रवाल,** उप प्राचार्य
सह संपादक	:	**श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा,** सहा. परिचालन प्रबंधक **श्री महेश कुमार,** सहा. मंडल विद्युत अभियंता
संकलन	:	**श्री विजय मोरे,** वरि.यातायात प्रशिक्षक **श्री अरूण कुमार सिंह,** वरि.यातायात प्रशिक्षक
ग्राफिक्स/सज्जा	:	**श्री शशिकांत के. माली,** वरि. सिमुलेटर प्रशिक्षक

द्वारा मुद्रित : भा. ज. वनमाली, उप मुख्य प्रबंधक, मुद्रण व लेखन सामग्री, मध्य रेल मुद्रणालय, मुंबई - २७.